>

Title: Issue regarding evicting the people from the houses by the Central Coal Fields in Jharkhand.

श्री यशवंत सिन्हा (हज़ारीबाग): सभापति महोदय, यूं तो पूरे देश में सरकारी उपकूम, पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्स हैं। हमारे यहां झारखंड में भी कई पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्स काम करते हैं, जिनमें मुख्य रुप से एचईसी, रांची है, कोल इंडिया है। लेकिन देश के किसी भाग में पब्लिक सैक्टर अंडरटेकिंग्स उस नीति पर, उस पालिसी पर नहीं चल रही हैं, कुछ मामलों में जिस नीति, जिस पालिसी पर वे झारखंड में चल रही हैं। हमारे यहां अतिकूमण हटाने के नाम पर सैंकड़ों सालों से कुछ जमीनों पर जो लोग बसे हुए हैं और वÂ◌ा◌ॉ से जिन मकानों में वे रह रहे हैं, उनको अतिकूमण हटाने के नाम पर आज बेघर किया जा रहा है। कई दिनों, कई महीनों से लगातार यह अभियान चल रहा है। मैं इस सदन में जिस लोक सभा क्षेत्र् हजारीबाग का पूतिनिधित्व करता हूं, उसमें एक बड़ा कोयला क्षेत्र् है और वहां पर सैंट्रल कोल फील्ड्स, सीसीएल नाम की संस्था, जो कोल इंडिया की संस्था है, वह वहां कोयला खनन का काम चलाती है। आप जानते हैं कि कई साल पहले कोयला क्षेत्र् का निजीकरण हुआ था। उस समय और उसके बहुत पहले से जिन लोगों को बुलाकर बसाया गया था कि हमें दुकान की आवश्यकता है, हमें मंदिर की आवश्यकता है, हमें मस्जिद की आवश्यकता है, हमें गुरुद्वारे की आवश्यकता है, हमें और कई सर्विसेज की आवश्यकता है, हमें स्कूल की आवश्यकता है, ऐसे लोगों को आमंत्रित करके स्थान देकर बसाया गया था कि आप ये सर्विसेज हमें प्रोवाइड कीजिये। आज इन सबको इस नाम पर कि आपके पास जमीन का पट्टा नहीं है, वहां से उजाड़ा जा रहा है, भगाया जा रहा है। लोगों के घरों में बिजली और पानी की सप्लाई को अचानक काटा जा रहा है। यहां पर महिलाओं का जिकू आया, महिलाओं को घर से खींचकर निकाला जा रहा है कि इस घर को खाली करो। मैंने उसके खिलाफ रांची में 4 दिन तक धरना भी दिया था, मैं बराबर इसके विरोध में खड़ा रहा हूं और आज भी यहां पर बताना चाहता हूं कि चाहे जिस भी शक्ति से टकराना पड़ेगा, मैं टकराऊंगा, लेकिन इन अनाथ, असहाय लोगों को बेघर नहीं होने दूंगा।

मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि हो यह रहा है कि कोर्ट में मामला जाता है, रांची हाई कोर्ट में मामला जाता है और वहां पर चूंकि कोल इंडिया में कोई पॉलिसी नहीं है, हजारों घर खाली पड़े हैं, जो लोग उनमें रह रहे हैं, अगर वे उन घरों को खाली कर दें तो दूसरे ही दिन वह घर गिर जायेगा। कोल इंडिया को आज के दिन उनकी आवश्यकता नहीं है क्योंकि छटनी के माध्यम से बहुत कम उनके कर्मी बचे हैं। लेकिन जबरदस्ती उन घरों को खाली कराया जा रहा है, जबकि उनको बुलाकर बसाया गया था। चूंकि कोल इंडिया ने, एचईसी ने इसके बारे में कोई पॉलिसी नहीं बनायी है, इसलिए कोर्ट में उनको बहुत मुश्किल होती है। अगर वह आज पॉलिसी बना लें और कोर्ट में जाकर कहें कि हमारी यह पॉलिसी है। एक दफा पॉलिसी बनी कि हम लोग क्या करेंगे कि दो रूपए पूति स्कावयर फुट के हिसाब से हम रेंट चार्ज करेंगे और जो जिस घर में रह रहा है, उसको वहां रहने देंगे, जिसकी आवश्यकता आज कोल इंडिया को नहीं है। लेकिन पॉलिसी नहीं बनी है, कोर्ट में आप पॉलिसी पेश नहीं कर सकते हैं इसलिए कोर्ट आदेश करता है कि इनको खाली कराओ।

महोदय, मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं, सरकार के जो पूतिनिधि आज सदन में उपस्थित हैं कि कृपया आप इन सरकारी उपकूमों को कहो कि वे इसके बारे में एक पॉलिसी बनायें और जाकर कोर्ट में उस पॉलिसी को दाखिल करें कि यह हमारी पॉलिसी है। उसके अंतर्गत कोर्ट भी हस्तक्षेप नहीं करेगा। हम लोग जानते हैं कि इसी दिल्ली शहर में अतिकूमण को लेकर सरकार ने पॉलिसी बनायी। यहां कानून पास हुआ और उसके बाद कोर्ट का हस्तक्षेप समाप्त हो गया। कोर्ट का हस्तक्षेप कैसे समाप्त होगा, पॉलिसी बनाने से समाप्त होगा।

इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करता हूं कि वह तुरन्त आदेश जारी करे कि ये सरकारी उपकूम वहां पर पॉलिसी बनायें और अतिकूमण हटाने के नाम पर गरीबों के साथ जो समाज के सबसे पीड़ित लोग हैं, उनके साथ जो अन्याय हो रहा है, उसके ऊपर तत्काल रोक लगायी जाए। अगर रोक नहीं लगेगी, तो मैं दोबारा यहां इस बात को दोहराता हूं कि अगर किसी के ऊपर कोई आघात होगा, तो सबसे पहले यशवंत सिन्हा के ऊपर होगा, तब किसी और के ऊपर होगा, मैं उनके लिए खड़ा रहूंगा।

सभापति महोदय :

*m02 श्रीमती पुतुल कुमारी,

*m03 डॉ. तरुण मंडल और

*m04 श्री पन्ना लाल पुनिया अपने आपको श्री यशवंत सिन्हा जी के विÂ◌ाय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, this is a very serious matter...(*Interruptions*) Five people have been killed in police firing...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Your name is there and you will get your opportunity.

...(*Interruptions*)

SHRI BASU DEB ACHARIA : Sir, it should be stopped forthwith...(*Interruptions*) Five people have been killed in police firing in Dhanbad area in Jharkhand...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Acharia, you may not speak on every issue. Your name is there and you will get your opportunity.

Dr. Ratna De.

...(*Interruptions*)